राजनीति शास्त्र
लक्ष्य और उद्देश्य

हम प्रजातांत्रिक युग में रह रहे हैं। आज का छात्र कल का नागरिक है। अतः वह भारतीय प्रजातंत्र के आधारभूत सिद्धान्तों की जानकारी के साथ इन सिद्धान्तों के क्रियान्वयन हेतु संविधान का ज्ञान प्राप्त कर वर्तमान राजनीति व्यवस्था का न केवल अध्ययन करे अपितु भविष्य में अपने अनुभव के आधार पर एक आदर्श नागरिक के रूप में अहम भूमिका के निर्वहन हेतु स्वयं को ईमानदारी से तैयार कर सके

इसी भावना को ध्यान में रखते हुये उ.मा. कक्षाओं (XI & XII) का पाठ्यक्रम विकसित किया गया है। इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:–

(1) राज्य के विकास के संबंध में भारतीय दृष्टिकोण से परिचित होना।

(2) संविधान की मूल भावना और उसके प्रभाव का अध्ययन करना।

(3) संविधान में किये गये प्रावधानों के अध्ययन को सरकार के स्वरूप के गठन कार्यप्रणाली का तुलनात्मक अध्ययन करना।

(4) संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान, निष्ठा एवं प्रतिबद्वता की भावना जाग्रत करना।

(5) छात्र को समसामयिक राजनैतिक परिवर्तनों को समझाते हुये संविधान के अनुरूप आचरण करने के लिये प्रेरित करना।

(6) छात्रों को अपने ज्ञान के आधार पर राजनैतिक व्यवस्थाओं का अन्य देशों के साथ तुलनात्मक अध्ययन करना ताकि उनमें तार्किक बुद्धि का विकास हो सके।

(7) छात्र में अपने क्षेत्र की स्थानीय संस्थाओं की कार्यप्रणाली का अध्ययन कर भविष्य में अपनी भूमिका का निर्धारण करने की क्षमता विकसित करना।

(8) विश्व घटनाक्रम के संभावित परिणामों से अवगत होकर उनके प्रभावों के अनुकूल स्वयं को ढालना।

(9) छात्रों में विश्वव्यापी दृष्टिकोण को विकसित करना।

राजनीति शास्त्र

कक्षा 12वीं

ईकाई बार अंक विभाजन एवं कालखण्ड

समय – 3 घन्टे **पूर्णांक 100**

इकाई	इकाई का नाम	निर्धारित अंक	कालखंड
1.	स्वतंत्रता के पश्चात, भारत के समक्ष चुनौतियां	10	16
2.	भारत में लोक तांत्रिक शासन व्यवस्था की स्थापना	10	16
3.	भारतीय प्रजातंत्र एवं सामाजिक उत्थान	10	16
4.	भारतीय लोकतंत्र के संचालन में आने वाली बाधायें	12	18
5.	समसामयिक आन्दोलन एवं लोकतंत्र	10	16
6.	स्वतंत्रता के पश्चात विश्व राजनीति में भारत की स्थिति	10	16
7.	गुट निरपेक्ष आन्दोलन, अन्तर्राष्ट्रीय वित्त संस्थायें एवं क्षेत्रीय संगठन	10	16
8.	भारत का अन्य राष्ट्रों से संबंध	10	16
9.	भारत और संयुक्त राष्ट्र	10	16
10.	वैश्वीकरण (भूमण्डलीकरण)	08	14
11.	पुनरावृत्ति		20
		100	180

पाठ्यक्रम

राजनीति विज्ञान

कक्षा 12वीं

1. **<u>स्वतंत्रता के पश्चात भारत के समक्ष चुनौतियां –</u>** **10**

(1) शरणार्थियों की समस्या – उत्पत्ति का कारण एवं प्रभाव
(2) देशी राज्यों का विलीनीकरण – आवश्यकता और इसके क्रियान्वयन से उत्पन्न स्थितियां
(3) काश्मीर की समस्या – कारण और प्रभाव
(4) राज्यों का पुनर्गठन – आवश्यकता और परिणाम

2.	**भारत में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की स्थापना –**	10

(1) संविधान निर्माण की आवश्यकता एवं संविधान सभा का गठन, कार्य
(2) भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषतायें

3.	**भारतीय प्रजातंत्र एवं सामाजिक उत्थान –**	10

(1) वर्तमान परिस्थिति, सामाजिक एवं आर्थिक सुधार संबंधी व्यवस्थायें – आर्थिक नियोजन, पंच वर्षीय योजना (संक्षेप में)
(2) अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिये राष्ट्रीय आयोग – गठन, कार्य, शक्ति एवं विकास की योजनायें
(3) पिछड़े वर्ग के विकास हेतु विधायी एवं प्रशासनिक प्रावधान –
(अ) राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग
(ब) मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग
(स) क्रीमीलेयर

4.	**भारतीय लोकतंत्र के संचालन में आने वाली बाधायें**	12

(1) निरक्षरता
(2) सामाजिक एवं आर्थिक असमानता
(3) क्षेत्रीय असंतुलन
(4) क्षेत्रवाद
(5) भाषावाद
(6) नक्सलवाद

5.	**समसामयिक आंदोलन एवं लोकतंत्र –**	10

(1) सामाजिक एवं आर्थिक आन्दोलन
(2) सहकारिता आंदोलन
(3) पर्यावरण एवं चिपको आंदोलन
(4) महिला सशक्तिकरण (आवश्यकता एवं कारण)

6.	**स्वतंत्रता के पश्चात विश्व राजनीति में भारत की स्थिति –**	10

(1) भारतीय विदेश नीति के निर्धारक तत्व एवं सिद्धांत
(2) असंलग्नता की नीति – अर्थ एवं विकास
(3) द्विध्रुवीय विश्व राजनीति
(4) शीत युद्ध एवं तनाव शैथिल्य

7. **गुट निरपेक्ष आंदोलन, अन्तर्राष्ट्रीय वित्त संस्थायें एवं क्षेत्रीय संगठन –** 10

(1) गुट निरपेक्ष आंदोलन

(2) यूरोपियन यूनियन, आसियान, सार्क – गठन, उद्देश्य एवं भूमिका

(3) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक –
अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक विकास में इनकी भूमिका

8. **भारत का अन्य राष्ट्रों से संबंध –** 10

(1) अमेरिका, रूस और साम्यवादी चीन

(2) पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश

9. **भारत और संयुक्त राष्ट्र –** 10

संयुक्त राष्ट्रः

(1) उद्देश्य, संगठन एवं विश्व शांति में योगदान

(2) संयुक्त राष्ट्र की संस्थायें

(अ) विश्व स्वास्थ्य संगठन

(ब) अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को)

(स) संयुक्त राष्ट्र में भारत का योगदान

(3) निःशस्त्रिकरण

10. **वैश्वीकरण (भूमण्डलीकरण)** 08

(अवधारणा एवं विकास)

(1) आर्थिक एवं सांस्कृतिक उदारीकरण

(2) आधुनिकीकरण

पाठ्यक्रम के लिये निर्धारित 180 कालखण्ड में प्रत्येक इकाई की पुनरावृत्ति के लिये कम से कम बीस कालखण्डों का समावेश किया गया है।

अध्यापन पूर्ण होने पर विषय शिक्षक छात्रों में विकसित शैक्षिक विशिष्टताओं का मूल्यांकन करने हेतु कुछ प्रायोजना सत्रीय कार्य के रूप में छात्रों को आवंटित कर उनका मूल्यांकन करें।

Political Science
Aims and Objectives

We are living in the era of Democracy and todays youth/students are the citizens of tomorrow. Hence the students must be aware of the basic principles of democracy and process of its implementation on the basis of Constitution. The main objects of this syllabus is to inspire the student to be aware of today's political systems and also forth coming problems. He should also be aware to be a good citizen.

To keep this spirit and notion in mind we have designed a course for the student of Class (XI and XII). Through this study programme:- We would like to give insight to students

(i) To acquaint with the Indian concept of the evaluation of state.
(ii) To study the basic spirit of, constitution and its impact.
(iii) To study the basic provisions of the constitution, nature of the constitution of structure and functions of goverment and their comparative study
(iv) To respect constitutional values and generate commitment to them.
(v) To inspire student to understand contemporary changes and act accordingly.
(vi) To study and analyse political systems of other countries on the basis of acquired knowledge and develop rationality.
(vii) To study the functions of local institutions and indentify their own role.
(viii) To understand the emerging contemporary global issues and their impact and prepare accordingly.
(ix) To generate/develop a global view.

Political Science
Class XII
Unit wise Marks distribution

Time 3 Hrs. **M.M. 100**

Unit	Name of the Unit	Marks	Periods alloted
1.	Challenges before India after Independence	10	16
2.	Establishment of Democratic system in India	10	16
3.	Indian Democracy and Social uplift	10	16
4.	Hindernces in the implementation of Indian Democracy	12	18
5.	Contemporary movements and Democracy	10	16
6.	Position of India in World politics after independence	10	16
7.	Non allignment movement, international financial Institutions and Regional organisations	10	16
8.	Relation of India with other countries	10	16
9.	India & United Nations	10	16
10.	Globalisation	08	14
11.	Repitation		20
		100	180

Political - Science
Class - XII

1. <u>CHALLENGES BEFORE INDIA AFTER INDEPENDENCE</u> 10

(1) Problems of Refuguees- Cause of origin and effect.
(2) Integration of princely states- Need and problem in implemantation
(3) Kashmir Problem- Causes and impact
(4) Reopganisation of States requirement and results.

2. <u>ESTABLISHMENT OF DEMOCRATIC SYSTEM IN INDIA</u> 10

(1) Necessity of construction of Indian constitution and organisation of constutient assembly in India
(2) Salient features of Indian constitution

3. INDIAN DEMOCRACY AND SOCIAL UPLIFTMENT 10

(1) Reformation regarding Social and econimic system in present conditions (Legeslative and adminstrative provisions Economic planning, Five year plans in short)
(2) National Commission for Sheduled castes and sheduled Tribes (Organisation, Function, Power and planning for their development
(3) Legislative and administrative provisions for uplifting Backward Classes
(A) National Backward Commission
(B) Madhya Pradesh Backward commission
(C) Creamy layer

4. HINDERENCES IN IMPLIMENTATION OF INDIAN DEMOCRACY 12

(1) Illiteracy
(2) Social and Economic Ineguality
(3) Regional imbalance
(4) Regionalasim
(5) Linguasim
(6) Naxalite

5. CONTEMPORARY MOVEMENTS AND DEMOCRACY 10

(1) Social and econimic movements
(2) Cooperative Movement
(3) Environmental and chipko Movenent
(4) Empowerment of women (Necessity and Causes)

6. POSITION OF INDIA IN WORLD POLITICS AFTER INDEPENDENCE 10

(1) Determining factors and Principles of Indian foreign policy
(2) Policy of Non Allignment (Meaning and evolution)
(3) Bipolar world politics
(4) Cold war and Dentente

7. NON ALLIGNMENT MOVEMENT, INTERNATIONAL FINANCIAL INSTITUTIONS AND REGIONAL ORGANISATIONS 10

(1) Non allignment movement
(2) International Monetary fund and world Bank - their Role in the development of world economy.

(3) European union, ASEAN, SAARC- Their Aims, organisation, and role in regional development

8. RELATIONS OF INDIA WITH OTHER COUNTRIES 10

(1) America, Russia and China
(2) Pakistan, Srilanka, Nepal, Bangladesh

9. INDIA AND UNITED NATIONS 10

(1) **United Nation -** Aims, organisation and contribution to world peace
(2) **Different organisations and Institutions of united nations**
(A) World Health organisation (W H O)
(B) United nations Educational, Scientific and cultural organisation (U N E S C O)
(C) International labour organisation (I L O)
(3) **Dis armament**

10. GLOBALISATION 08

(1) Concept and evolution
(2) Economic and cultural liberalisation
(3) Modernisation

Subject Teachers are supposed to give some project work to students relating to the subject matter as an assignment to evaluate their skills developed during teaching and learning process.